Navgrah Chalisa Lyrics with Meaning in Hindi and English

Navgrah Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
श्री गणपति गुरुपद कमल,
प्रेम सहित सिरनाय ।
नवग्रह चालीसा कहत,
शारद होत सहाय ॥

जय जय रवि शशि सोम बुध, जय गुरु भृगु शनि राज।
जयति राहु अरु केतु ग्रह, करहुं अनुग्रह आज ॥

॥ चौपाई ॥
॥ श्री सूर्य स्तुति ॥
प्रथमहि रवि कहं नावौं माथा, करहुं कृपा जनि जानि अनाथा ।
हे आदित्य दिवाकर भानू, मैं मति मन्द महा अज्ञानू ।
अब निज जन कहं हरहु कलेषा, दिनकर द्वादश रूप दिनेशा ।
नमो भास्कर सूर्य प्रभाकर, अर्क मित्र अघ मोघ क्षमाकर ।

॥ श्री चन्द्र स्तुति ॥
शशि मयंक रजनीपति स्वामी, चन्द्र कलानिधि नमो नमामि ।
राकापति हिमांशु राकेशा, प्रणवत जन तन हरहुं कलेशा ।
सोम इन्दु विधु शान्ति सुधाकर, शीत रश्मि औषधि निशाकर ।
तुम्हीं शोभित सुन्दर भाल महेशा, शरण शरण जन हरहुं कलेशा ।

॥ श्री मंगल स्तुति ॥
जय जय जय मंगल सुखदाता, लोहित भौमादिक विख्याता ।
अंगारक कुज रुज ऋणहारी, करहुं दया यही विनय हमारी ।
हे महिसुत छितिसुत सुखराशी, लोहितांग जय जन अघनाशी ।
अगम अमंगल अब हर लीजै, सकल मनोरथ पूरण कीजै ।

॥ श्री बुध स्तुति ॥
जय शशि नन्दन बुध महाराजा, करहु सकल जन कहं शुभ काजा ।
दीजै बुद्धि बल सुमति सुजाना, कठिन कष्ट हरि करि कल्याणा ।
हे तारासुत रोहिणी नन्दन, चन्द्रसुवन दुख द्वन्द्व निकन्दन ।
पूजहिं आस दास कहुं स्वामी, प्रणत पाल प्रभु नमो नमामी ।

॥ श्री बृहस्पति स्तुति ॥
जयति जयति जय श्री गुरुदेवा, करूं सदा तुम्हरी प्रभु सेवा ।
देवाचार्य तुम देव गुरु ज्ञानी, इन्द्र पुरोहित विद्यादानी ।
वाचस्पति बागीश उदारा, जीव बृहस्पति नाम तुम्हारा ।
विद्या सिन्धु अंगिरा नामा, करहुं सकल विधि पूरण कामा ।

॥ श्री शुक्र स्तुति ॥
शुक्र देव पद तल जल जाता, दास निरन्तन ध्यान लगाता ।
हे उशना भार्गव भृगु नन्दन, दैत्य पुरोहित दुष्ट निकन्दन ।

भृगुकुल भूषण दूषण हारी, हरहुं नेष्ट ग्रह करहुं सुखारी ।
तुहि द्विजबर जोशी सिरताजा, नर शरीर के तुमही राजा ।

॥ श्री शनि स्तुति ॥
जय श्री शनिदेव रवि नन्दन, जय कृष्णो सौरी जगवन्दन ।
पिंगल मन्द रौद्र यम नामा, वप्र आदि कोणस्थ ललामा ।
वक्र दृष्टि पिप्पल तन साजा, क्षण महं करत रंक क्षण राजा ।
ललत स्वर्ण पद करत निहाला, हरहुं विपत्ति छाया के लाला ।

॥ श्री राहु स्तुति ॥
जय जय राहु गगन प्रविसइया, तुमही चन्द्र आदित्य ग्रसइया ।
रवि शशि अरि स्वर्भानु धारा, शिखी आदि बहु नाम तुम्हारा ।
सैहिंकेय तुम निशाचर राजा, अर्धकाय जग राखहु लाजा ।
यदि ग्रह समय पाय हिं आवहु, सदा शान्ति और सुख उपजावहु ।

॥ श्री केतु स्तुति ॥
जय श्री केतु कठिन दुखहारी, करहु सुजन हित मंगलकारी ।
ध्वजयुत रुण्ड रूप विकराला, घोर रौद्रतन अघमन काला ।
शिखी तारिका ग्रह बलवान, महा प्रताप न तेज ठिकाना ।
वाहन मीन महा शुभकारी, दीजै शान्ति दया उर धारी ।

॥ नवग्रह शांति फल ॥
तीरथराज प्रयाग सुपासा, बसै राम के सुन्दर दासा ।
ककरा ग्रामहिं पुरे-तिवारी, दुर्वासाश्रम जन दुख हारी ।
नवग्रह शान्ति लिख्यो सुख हेतु, जन तन कष्ट उतारण सेतू ।
जो नित पाठ करै चित लावै, सब सुख भोगि परम पद पावै ॥

॥ दोहा ॥
धन्य नवग्रह देव प्रभु, महिमा अगम अपार ।
चित नव मंगल मोद गृह, जगत जनन सुखद्वार ॥

यह चालीसा नवोग्रह, विरचित सुन्दरदास ।
पढ़त प्रेम सुत बढ़त सुख, सर्वानन्द हुलास ॥

Navgrah Chalisa Lyrics Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
श्री गणपति गुरुपद कमल, प्रेम सहित सिरनाय।
श्री गणपति के गुरुपद कमल को, प्रेम के साथ सिर नवाकर प्रणाम करता हूँ।

नवग्रह चालीसा कहत, शारद होत सहाय।
नवग्रह चालीसा कहते हुए, शारद मां (सरस्वती) मेरी मदद करें।

जय जय रवि शशि सोम बुध, जय गुरु भृगु शनि राज।
जय हो सूर्य (रवि), चंद्र (शशि), सोम (चंद्रमा), बुध (बुध ग्रह), गुरु (भृगु), शनि और राज (शनि ग्रह) की।

जयति राहु अरु केतु ग्रह, करहुं अनुग्रह आज।
जय हो राहु और केतु ग्रहों की, कृपया आज हम पर अनुग्रह करें।

॥ चौपाई ॥
॥ श्री सूर्य स्तुति ॥

प्रथमहि रवि कहं नावौं माथा, करहुं कृपा जनि जानि अनाथा।
सर्वप्रथम सूर्य देवता को सिर नवाकर, मैं अनाथों की तरह कृपा की प्रार्थना करता हूं।

हे आदित्य दिवाकर भानू, मैं मति मन्द महा अज्ञानू।
हे आदित्य, दिवाकर और भानू, मैं अज्ञान से भरा हुआ हूं।

अब निज जन कहं हरहु कलेषा, दिनकर द्वादश रूप दिनेशा।
अब अपने भक्तों से कष्ट दूर करो, और द्वादश रूप वाले दिनेश (सूर्य) की कृपा से उनका उद्धार करो।

नमो भास्कर सूर्य प्रभाकर, अर्क मित्र अघ मोघ क्षमाकर।
नमस्कार हो सूर्य प्रभाकर, अर्क मित्र, और सभी अज्ञान को समाप्त करने वाले।

॥ श्री चन्द्र स्तुति ॥
शशि मयंक रजनीपति स्वामी, चन्द्र कलानिधि नमो नमामि।
चंद्रमा, मयंक, रजनीपति स्वामी, चंद्रमा के कलानिधि को मैं नमस्कार करता हूँ।

राकापति हिमांशु राकेशा, प्रणवत जन तन हरहुं कलेशा।
राकापति, हिमांशु, राकेश, तुम्हारे चरणों में प्रणाम करते हुए, सभी कष्टों का नाश करो।

सोम इन्दु विधु शान्ति सुधाकर, शीत रश्मि औषधि निशाकर।
सोम, इन्द्र, चंद्रमा, शांति देने वाले, शीतल रश्मि औषधि और निशाकर को नमस्कार।

तुम्हीं शोभित सुन्दर भाल महेशा, शरण शरण जन हरहुं कलेशा।
तुम सुंदर और शोभायमान महेश्वर के रूप में प्रतिष्ठित हो, शरणागत जनों के कष्टों का नाश करो।

॥ श्री मंगल स्तुति ॥
जय जय जय मंगल सुखदाता, लोहित भौमादिक विख्याता।
जय हो मंगल देवता की, जो सुख देने वाले हैं, और लोहित (मंगल), भौमादि ग्रहों का प्रसिद्ध स्वरूप हैं।

अंगारक कुज रुज ऋणहारी, करहुं दया यही विनय हमारी।
अंगारक (मंगल), कुज, रुज, और ऋण को नष्ट करने वाले, कृपया हमारी विनती स्वीकार करें।

हे महिसुत छितिसुत सुखराशी, लोहितांग जय जन अघनाशी।
हे महिसुत, छितिसुत, और सुख के भंडार, लोहितांग, जय जन और अघ (पाप) को नष्ट करने वाले।

अगम अमंगल अब हर लीजै, सकल मनोरथ पूरण कीजै।
अब सभी अमंगल को दूर करो, और सभी मनोरथों को पूर्ण करो।

॥ श्री बुध स्तुति ॥
जय शशि नन्दन बुध महाराजा, करहु सकल जन कहं शुभ काजा।
जय हो शशि नन्दन (चंद्रमाजी), बुध महाराजा की, जो सभी जनों के शुभ कार्य करते हैं।

दीजै बुद्धि बल सुमति सुजाना, कठिन कष्ट हरि करि कल्याणा।
कृपया हमें बुद्धि और बल दो, और कठिन कष्टों का निवारण कर हमें कल्याण प्रदान करो।

हे तारासुत रोहिणी नन्दन, चन्द्रसुवन दुख द्वन्द्व निकन्दन।
हे तारासुत (चंद्रमाजी के पुत्र), रोहिणी नन्दन, चंद्रसुवन, जो दुख और द्वंद्व को नष्ट करते हैं।

पूजहिं आस दास कहुं स्वामी, प्रणत पाल प्रभु नमो नमामी।
स्वामी के रूप में हम सब तुम्हारी पूजा करते हैं, हम प्रणत (नम्र) हैं, प्रभु, हम तुम्हें बार-बार नमस्कार करते हैं।

॥ श्री बृहस्पति स्तुति ॥

जयति जयति जय श्री गुरुदेवा, करूं सदा तुम्हरी प्रभु सेवा।
जय हो, जय हो, जय हो श्री गुरुदेव की, मैं हमेशा आपकी सेवा करता रहूं।

देवाचार्य तुम देव गुरु ज्ञानी, इन्द्र पुरोहित विद्यादानी।
तुम देवाचार्य हो, देव गुरु और ज्ञानी हो, इन्द्र के पुरोहित और विद्यादान करने वाले हो।

वाचस्पति बागीश उदारा, जीव बृहस्पति नाम तुम्हारा।
तुम वाचस्पति, बागीश और उदार हो, तुम्हारा नाम बृहस्पति है।

विद्या सिन्धु अंगिरा नामा, करहुं सकल विधि पूरण कामा।
तुम विद्या के समुद्र और अंगिरा के नाम से जाने जाते हो, कृपया सभी कार्यों को सफल बनाओ।

॥ श्री शुक्र स्तुति ॥
शुक्र देव पद तल जल जाता, दास निरन्तन ध्यान लगाता।
शुक्र देव का चरण कमल जल में रहता है, उनका दास निरंतर ध्यान करता है।

हे उशना भार्गव भृगु नन्दन, दैत्य पुरोहित दुष्ट निकन्दन।
हे उशना (शुक्र), भार्गव, भृगु के नन्दन, दैत्य के पुरोहित और दुष्टों के नाशक।

भृगुकुल भूषण दूषण हारी, हरहुं नेष्ट ग्रह करहुं सुखारी।
हे भृगुकुल के आभूषण, दूषण को नष्ट करने वाले, नेष्ट ग्रह का नाश करो और सुखप्रदाता बनो।

तुहि द्विजबर जोशी सिरताजा, नर शरीर के तुमही राजा।
तुम द्विजबर (श्रेष्ठ ब्राह्मण) और जोशी हो, जो नर शरीर के राजा हो।

॥ श्री शनि स्तुति ॥
जय श्री शनिदेव रवि नन्दन, जय कृष्णो सौरी जगवन्दन।
जय हो श्री शनिदेव की, जो सूर्य के पुत्र हैं, और कृष्ण के सौरी (शक्तिशाली) हैं।

पिंगल मन्द रौद्र यम नामा, वप्र आदि कोणस्थ ललामा।
पिंगल, मंद, रौद्र और यम के नाम से प्रसिद्ध, जो व्रत (ध्यान) के आदि कोण में स्थित हैं।

वक्र दृष्टि पिप्पल तन साजा, क्षण महं करत रंक क्षण राजा।
जो वक्र दृष्टि से पिप्पल के वृक्ष पर विराजमान हैं, और कभी किसी को रंक और कभी राजा बनाते हैं।

ललत स्वर्ण पद करत निहाला, हरहुं विपत्ति छाया के लाला।
जो स्वर्ण पद (सूर्य के समान) पर रहते हैं, और विपत्ति की छाया को हरते हैं।

॥ श्री राहु स्तुति ॥
जय जय राहु गगन प्रविसइया, तुमही चन्द्र आदित्य ग्रसइया।
जय हो राहु की, जो आकाश में प्रविष्ट होते हैं, और चंद्रमा और सूर्य को ग्रसते हैं।

रवि शशि अरि स्वर्भानु धारा, शिखी आदि बहु नाम तुम्हारा।
जो सूर्य, चंद्र और अन्य ग्रहों को शोषण करते हैं, तुम्हारे अनेक नाम हैं।

सैहिंकेय तुम निशाचर राजा, अर्धकाय जग राखहु लाजा।
तुम निशाचर (रात्रि के राजा) हो, अर्धकाय (आधे शरीर वाले) हो, और दुनिया को शांति प्रदान करते हो।

यदि ग्रह समय पाय हिं आवहु, सदा शान्ति और सुख उपजावहु।
यदि ग्रह का समय प्राप्त होता है, तो सदा शांति और सुख उत्पन्न करो।

॥ श्री केतु स्तुति ॥

जय श्री केतु कठिन दुखहारी, करहु सुजन हित मंगलकारी।
जय हो श्री केतु की, जो कठिन दुखों को हरते हैं और सुजन (बुद्धिमान) के हित में मंगलकारी होते हैं।

ध्वजयुत रुण्ड रूप विकराला, घोर रौद्रतन अघमन काला।
जो ध्वज से युक्त, रुण्ड (शक्तिशाली) रूप में विकराल होते हैं, घोर रौद्र रूप में अघ (पाप) को नष्ट करते हैं।

शिखी तारिका ग्रह बलवान, महा प्रताप न तेज ठिकाना।
जो शिखी (तारे) के समान होते हैं, ग्रहों के बलवान और महा प्रतापी होते हैं, जिनका तेज ठिकाना नहीं होता।

वाहन मीन महा शुभकारी, दीजै शान्ति दया उर धारी।
जो मीन (मछली) के वाहन पर रहते हैं, महाशुभकारी होते हैं, और शांति तथा दया का वरण करते हैं।

॥ नवग्रह शांति फल ॥
तीरथराज प्रयाग सुपासा, बसै राम के सुन्दर दासा।
प्रयाग तीर्थराज के पास, राम के सुंदर दास रहते हैं।

ककरा ग्रामहिं पुरे-तिवारी, दुर्वासाश्रम जन दुख हारी।
तिवारी के गाँव में, दुर्वासा आश्रम का जन दु:ख दूर करने वाला है।

नवग्रह शान्ति लिख्यो सुख हेतु, जन तन कष्ट उतारण सेतू।
नवग्रह शांति को लिखा गया है, जो सुख हेतु है, और जनों के तन के कष्टों को दूर करने वाला सेतु है।

जो नित पाठ करै चित लावै, सब सुख भोगि परम पद पावै।
जो निरंतर इस पाठ को करता है, और मन से इसे लाता है, वह सभी सुखों को भोगता है और परम पद प्राप्त करता है।

॥ दोहा ॥
धन्य नवग्रह देव प्रभु, महिमा अगम अपार।
धन्य हैं नवग्रह देवता प्रभु, जिनकी महिमा अज्ञेय और अपार है।

चित नव मंगल मोद गृह, जगत जनन सुखद्वार।
जिनके ध्यान से नव मंगल होते हैं और घर में सुख की प्राप्ति होती है, वे संसार के लिए सुखद्वार हैं।

यह चालीसा नवोग्रह, विरचित सुन्दरदास।
यह नवग्रह चालीसा, सुन्दरदास द्वारा रचित है।

पढ़त प्रेम सुत बढ़त सुख, सर्वानन्द हुलास।
जो इसे प्रेम से पढ़ता है, वह सुख में बढ़ता है, और सभी आनंद का अनुभव करता है।

Navgrah Chalisa Lyrics in English

DOHA
Shri Ganapati Gurupad Kamal,
Prem Sahit Sirnay.
Navgrah Chalisa Kahat,
Sharad Hot Sahay.

Jai Jai Ravi Shashi Som Budh, Jai Guru Bhṛgu Shani Raj.
Jayati Rahu Aru Ketu Grah, Karhun Anugrah Aaj.

CHAUPAI
Shri Surya Stuti
Prathamhi Ravi Kahan Navau Matha, Karhun Kripa Jani Jani Anatha.

Hey Aditya Divakar Bhanu, Main Mati Mand Maha Agyanu.
Ab Nij Jan Kahan Harhu Kalesha, Dinkar Dwadash Roop Dinesha.
Namo Bhaskar Surya Prabhakar, Ark Mitra Agh Mog Kshamakar.

🌙 Shri Chandra Stuti 🌙
Shashi Mayank Rajanipati Swami, Chandra Kalanidhi Namo Namami.
Rakapati Himanshu Rakesha, Pranavat Jan Tan Harhun Kalesha.
Som Indu Vidhu Shanti Sudhakar, Sheet Rashmi Aushadhi Nishakar.
Tumhi Shobhit Sundar Bhaal Mahesha, Sharan Sharan Jan Harhun Kalesha.

🔴 Shri Mangal Stuti 🔴
Jai Jai Jai Mangal Sukhdata, Lohit Bhaumaadik Vikhyata.
Angarak Kuj Ruj Rinahari, Karhun Daya Yehi Vinay Hamari.
Hey Mahisut Chitisut Sukhraashi, Lohitang Jai Jan Aghnashee.
Agam Amangal Ab Har Lejai, Sakal Manorath Puran Keejai.

💚 Shri Budh Stuti 💚
Jai Shashi Nandan Budh Maharaja, Karhun Sakal Jan Kahan Shubh Kaja.
Dejai Buddhi Bal Sumati Sujana, Kathin Kasht Hari Kari Kalyana.
Hey Tarasut Rohini Nandan, Chandrasuvan Dukh Dwandv Nikandan.
Poojahin Aas Das Kahun Swami, Pranat Pal Prabhu Namo Namami.

🟡 Shri Brihaspati Stuti 🟡
Jayati Jayati Jai Shri Gurudeva, Karun Sada Tumhari Prabhu Seva.
Devacharya Tum Dev Guru Gyani, Indra Purohit Vidyadani.
Vachaspati Bagish Udara, Jeev Brihaspati Naam Tumhara.
Vidya Sindhu Angira Nama, Karhun Sakal Vidhi Puran Kama.

🤍 Shri Shukra Stuti 🤍
Shukra Dev Pad Tal Jal Jata, Das Nirantan Dhyan Lagata.
Hey Ushna Bhargav Bhṛgu Nandan, Daitya Purohit Dusht Nikandan.
Bhṛgukul Bhushan Dooshan Hari, Harhun Nesht Grah Karhun Sukhari.
Tuhii Dwijabar Joshi Sirataja, Nar Sharir Ke Tumhi Raja.

🔵 Shri Shani Stuti 🔵
Jai Shri Shani Dev Ravi Nandan, Jai Krishno Sauri Jagavandan.
Pingal Mand Raudra Yam Nama, Vapra Adi Konasth Lalama.
Vakra Drishti Pippal Tan Saja, Kshan Maham Karat Rank Kshan Raja.
Lalat Swarn Pad Karat Nihala, Harhun Vipatthi Chhaya Ke Lala.

☁️ Shri Rahu Stuti ☁️
Jai Jai Rahu Gagan Pravisaiya, Tumhi Chandra Aditya Grasaiya.
Ravi Shashi Ari Swarbhanudhara, Shikhi Adi Bahu Naam Tumhara.
Saheenkey Tum Nishachar Raja, Ardhakaya Jag Rakhhu Laja.
Yadi Grah Samay Payi Haan Aavahu, Sada Shanti Aur Sukh Upajavahu.

☄️ Shri Ketu Stuti ☄️
Jai Shri Ketu Kathin Dukhhaari, Karhu Sujan Hit Mangalkaari.
Dhvajyut Rund Roop Vikrala, Ghor Raudrant Aghman Kaala.
Shikhi Tarika Grah Balwaan, Maha Pratap N Tej Thikana.
Vahan Meen Maha Shubhkaari, Dejai Shanti Daya Ur Dhaari.

□ Navgrah Shanti Phal □
Tirtharaj Prayag Supasa, Basai Ram Ke Sundar Dasa.
Kakra Graamhim Pure-Tiwari, Durvasashram Jan Dukh Haari.
Navgrah Shanti Likhyo Sukh Hetu, Jan Tan Kasht Utaran Setu.
Jo Nit Path Karai Chit Lavai, Sab Sukh Bhogi Param Pad Pavai.

□ DOHA □
Dhanya Navgrah Dev Prabhu, Mahima Agam Apaar.
Chit Nav Mangal Mod Grih, Jagat Janan Sukh Dwaar.

Yeh Chalisa Navgrah, Virchit Sunderdas.
Padhat Prem Sut Badhat Sukh, Sarvanand Hulas.

Navgrah Chalisa Meaning in English

□ DOHA □
Shri Ganapati Gurupad Kamal,
Prem Sahit Sirnay – I bow with love to the lotus feet of Shri Ganapati, who is the ultimate Guru.
Navgrah Chalisa Kahat,
Sharad Hot Sahay – Chanting the Navgrah Chalisa brings blessings and support from Goddess Sharad.

Jai Jai Ravi Shashi Som Budh, Jai Guru Bhṛgu Shani Raj.
Jayati Rahu Aru Ketu Grah, Karhun Anugrah Aaj – Victory to Sun, Moon, Mercury, Guru, Bhṛgu, and Shani Raj; Victory to Rahu and Ketu; I seek their blessings today.

□ CHAUPAI □
□ Shri Surya Stuti □
Prathamhi Ravi Kahan Navau Matha,
Karhun Kripa Jani Jani Anatha – First, I bow my head to the Sun; please bless me, the helpless one.
Hey Aditya Divakar Bhanu, Main Mati Mand Maha Agyanu – O Aditya, the Sun, the source of light, I am ignorant and have a dull mind.
Ab Nij Jan Kahan Harhu Kalesha, Dinkar Dwadash Roop Dinesha – Please remove my troubles and guide me, O Sun, who has twelve forms and is the ruler of the day.
Namo Bhaskar Surya Prabhakar, Ark Mitra Agh Mog Kshamakar – I bow to you, O Bhaskar, the Sun God, who is the friend of the Ark, and the remover of sins and sufferings.

□ Shri Chandra Stuti □
Shashi Mayank Rajanipati Swami, Chandra Kalanidhi Namo Namami – I bow to you, O Moon, the king of the night and the source of all peace.
Rakapati Himanshu Rakesha, Pranavat Jan Tan Harhun Kalesha – O Moon, son of the sky, remove the sufferings and pains of those who bow before you.
Som Indu Vidhu Shanti Sudhakar, Sheet Rashmi Aushadhi Nishakar – O Moon, the peaceful one, you bring coolness and medicinal light to the world.
Tumhi Shobhit Sundar Bhaal Mahesha, Sharan Sharan Jan Harhun Kalesha – You, with your beautiful forehead, O Mahesha, remove all suffering from those who take refuge in you.

□ Shri Mangal Stuti □
Jai Jai Jai Mangal Sukhdata, Lohit Bhaumaadik Vikhyata – Victory to Mangal, the giver of happiness, who is known for his red appearance and associated with Mars.

Angarak Kuj Ruj Rinahari, Karhun Daya Yehi Vinay Hamari – O Angarak, the remover of illness and debts, please show mercy on us.
Hey Mahisut Chitisut Sukhraashi, Lohitang Jai Jan Aghnashee – O son of Mahish, the source of happiness, and destroyer of sins, may you bring joy to your devotees.
Agam Amangal Ab Har Lejai, Sakal Manorath Puran Keejai – O Mangal, remove all inauspiciousness and grant us the fulfillment of all desires.

□ Shri Budh Stuti □
Jai Shashi Nandan Budh Maharaja, Karhun Sakal Jan Kahan Shubh Kaja – Victory to Budh, the son of the Moon, the great king; may he perform auspicious deeds for all.
Dejai Buddhi Bal Sumati Sujana, Kathin Kasht Hari Kari Kalyana – Grant intelligence, strength, wisdom, and peace to all, O Budh, who helps in the toughest of situations.
Hey Tarasut Rohini Nandan, Chandrasuvan Dukh Dwandv Nikandan – O son of Tara, and the descendant of Rohini, you destroy the sufferings caused by dualities.
Poojahin Aas Das Kahun Swami, Pranat Pal Prabhu Namo Namami – I worship you, O Swami, and bow to you, the protector of the devotees.

□ Shri Brihaspati Stuti □
Jayati Jayati Jai Shri Gurudeva, Karun Sada Tumhari Prabhu Seva – Victory to the great Guru, who is always served with love and devotion.
Devacharya Tum Dev Guru Gyani, Indra Purohit Vidyadani – You are the divine teacher, the guru of the gods, and the one who bestows knowledge.
Vachaspati Bagish Udara, Jeev Brihaspati Naam Tumhara – O Vachaspati, the lord of speech, the great one, your name is Brihaspati.
Vidya Sindhu Angira Nama, Karhun Sakal Vidhi Puran Kama – You are the ocean of knowledge, O Angira, and I seek fulfillment of all my tasks through your blessings.

□ Shri Shukra Stuti □
Shukra Dev Pad Tal Jal Jata, Das Nirantan Dhyan Lagata – O Shukra, who resides at the feet of the Lord, I constantly meditate upon you.
Hey Ushna Bhargav Bhṛgu Nandan, Daitya Purohit Dusht Nikandan – O Ushna, the son of Bhargav and Bhṛgu, the one who destroys the demons and their priests.
Bhṛgukul Bhushan Dooshan Hari, Harhun Nesht Grah Karhun Sukhari – You are the ornament of the Bhṛgu clan, O Shukra, who destroys negative influences and brings happiness.
Tuhii Dwijabar Joshi Sirataja, Nar Sharir Ke Tumhi Raja – You, O Shukra, are the supreme among Brahmins, the king of the human body.

□ Shri Shani Stuti □
Jai Shri Shani Dev Ravi Nandan, Jai Krishno Sauri Jagavandan – Victory to Shani, the son of the Sun, and Krishna, the bestower of success in the world.
Pingal Mand Raudra Yam Nama, Vapra Adi Konasth Lalama – O Shani, you have a reddish appearance, a harsh nature, and control over time.
Vakra Drishti Pippal Tan Saja, Kshan Maham Karat Rank Kshan Raja – With your crooked vision, O Shani, you can change the fate of a person from pauper to king in an instant.
Lalat Swarn Pad Karat Nihala, Harhun Vipatthi Chhaya Ke Lala – O Shani, with your golden feet, remove the shadows of misfortune from my life.

□ Shri Rahu Stuti □
Jai Jai Rahu Gagan Pravisaiya, Tumhi Chandra Aditya Grasaiya – Victory to Rahu, who enters the sky and devours the Sun and the Moon.
Ravi Shashi Ari Swarbhanudhara, Shikhi Adi Bahu Naam Tumhara – You are the enemy of the

Sun and the Moon, and you hold many names.
Saheenkey Tum Nishachar Raja, Ardhakaya Jag Rakhhu Laja – O Rahu, the king of demons, protect the world and bring peace to all.
Yadi Grah Samay Payi Haan Aavahu, Sada Shanti Aur Sukh Upajavahu – When the planetary period is favorable, may you always bring peace and happiness.

□ Shri Ketu Stuti □
Jai Shri Ketu Kathin Dukhhaari, Karhu Sujan Hit Mangalkaari – Victory to Ketu, the one who removes all troubles, and brings auspicious results.
Dhvajyut Rund Roop Vikrala, Ghor Raudrant Aghman Kaala – Ketu, with your fearsome appearance and destructive power, bring the end of all inauspiciousness.
Shikhi Tarika Grah Balwaan, Maha Pratap N Tej Thikana – You are a powerful celestial body with immense fame and strength.
Vahan Meen Maha Shubhkaari, Dejai Shanti Daya Ur Dhaari – Your vehicle is a fish, O Ketu, and you grant peace and kindness to your devotees.

□ Navgrah Shanti Phal □
Tirtharaj Prayag Supasa, Basai Ram Ke Sundar Dasa – Prayag, the king of all pilgrimage sites, where the beautiful servant of Ram resides.
Kakra Graamhim Pure-Tiwari, Durvasashram Jan Dukh Haari – In Kakra village, where the sage Durvasa helped end the suffering of people.
Navgrah Shanti Likhyo Sukh Hetu, Jan Tan Kasht Utaran Setu – The Navgrah Shanti is written for happiness and is a bridge to remove all suffering.
Jo Nit Path Karai Chit Lavai, Sab Sukh Bhogi Param Pad Pavai – Whoever chants it with devotion every day will experience all kinds of happiness and ultimately reach the highest state.

□ DOHA □
Dhanya Navgrah Dev Prabhu, Mahima Agam Apaar – Blessed are the Navgrah Gods, whose glory is infinite.
Chit Nav Mangal Mod Grih, Jagat Janan Sukh Dwaar – The one who chants the Navgrah mantra with full devotion will bring peace and prosperity to their home.

Yeh Chalisa Navgrah, Virchit Sunderdas – This Navgrah Chalisa is written by Sunderdas.
Padhat Prem Sut Badhat Sukh, Sarvanand Hulas – Reading it with love brings happiness and fills life with joy.